RNTU TIMES

Rank Band 151-200 in University Category in nirf 2024

ओलंपियन विवेक सागर ने रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय को भेंट की भारतीय हॉकी टीम द्वारा हस्ताक्षरित जर्सी

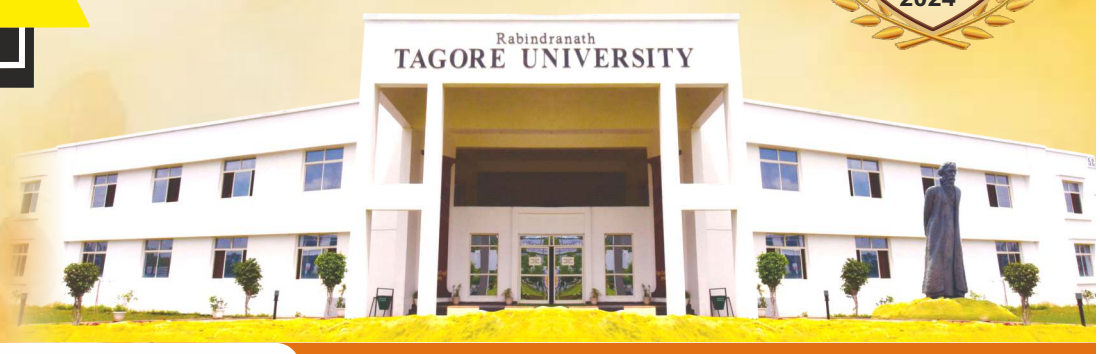

VOLUME: 6 | www.rntu.ac.in | March-April, 2025

आरएनटीयू के तृतीय दीक्षान्त समारोह में विद्यार्थियों को मिली डिग्रियां तो खिल उठे चेहरे

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षान्त समारोह, म.प्र. के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह जी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न

7th April: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षान्त समारोह, म.प्र. के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री माननीय श्री उदय प्रताप सिंह जी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने की। बतौर विशिष्ट अतिथि डॉ राधाकांत पाढ़ी, एचएएल चेयर प्रोफेसर, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस, बैंगलोर, डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, सेक्रेटरी प्रायोजी निकाय, आईसेक्ट, डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रो चांसलर आरएनटीयू, डॉ. आर.पी. दुबे, कुलगुरु, आरएनटीयू, डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी, कार्यकारी उपाध्यक्ष, आईसेक्ट, डॉ. संगीता जौहरी, कुलसचिव, आरएनटीयू विशेष रूप से उपस्थित थे। इस मौके पर डॉ ई मादे धर्मयश, रसाचार्य, आईजीबी सुग्रीव स्टेट हिन्दू यूनिवर्सिटी, देनपसार इंडोनेशिया को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

इस मौके पर माननीय श्री राजेन्द्र शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाई है। यह संस्थान न केवल विद्यार्थियों को अकादमिक रूप से मजबूत बना रहा है,

बल्कि उन्हें नैतिक मूल्यों से भी जोड़ रहा है। विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियाँ प्रदेश के लिए गौरव की बात हैं। उन्होंने कहा कि आज के छात्र ही कल के सशक्त भारत का निर्माण करेंगे। सरकार ऐसे संस्थानों को हरसंभव सहयोग देने के लिए संकल्पित है। अंत में उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

समारोह में माननीय श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि डिग्री केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय जिस प्रकार युवाओं को आत्मनिर्भर और नवाचारशील बना रहा है, वह प्रशंसनीय है। शिक्षा को अब रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने की आवश्यकता है। इस संस्थान ने छात्रों को बहुआयामी कौशल प्रदान कर एक आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे देश की प्रगति में भागीदार बनें और अपने ज्ञान का सही उपयोग करें। अंत में उन्होंने डिग्री उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

दीक्षांत भाषण देते हुए श्री राधाकांत पाढी ने कहा कि ज्ञान का असली उद्देश्य मानवता की सेवा में योगदान देना है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी दक्षता की ओर प्रेरित करते हुए कहा कि आप सभी में अपार संभावनाएं हैं। इसरो में कार्य करते हुए मैंने सीखा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और टीम वर्क से असंभव को भी संभव किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों से वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता को अपनाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री संतोष चौबे ने कहा कि रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के शैक्षणिक आदर्शों पर कार्य करते हुए शिक्षा, अनुसंधान और संस्कृति का समन्वय प्रस्तुत कर रहा है। विश्वविद्यालय लगातार छह वर्षों से एनआईआरएफ रैंकिंग में अपनी उपस्थिति बनाए हुए है, जो इसकी शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हम अपने छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस अवसर पर उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दीक्षांत समारोह में वर्ष 2022, वर्ष 2023 और वर्ष 2024 के कुल 362 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। इस

अवसर पर 60 गोल्ड मेडल, 183 पी-एच.डी. उपाधि, 52 स्नातकोत्तर उपाधि एवं 67 स्नातक उपाधि छात्र-छात्राओं को माननीय श्री राजेन्द्र शुक्ल, उप मुख्यमंत्री म.प्र. और माननीय श्री उदय प्रताप सिंह जी ने अपने करकमलों से प्रदान कीं। इस मौके पर तृतीय दीक्षान्त समारोह की स्मारिका का विमोचन भी किया गया साथ ही बिग कंट्री लिटिल बिजनेस और कंप्यूटर एक परिचय पुस्तक का विमोचन किया गया और अतिथियों को सौजन्य भेंट की गई। तदोपरांत डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी ने बिग कंट्री लिटिल बिजनेस पुस्तक पर संक्षिप्त प्रकाश डाला।

इस अवसर पर श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी, सेक्रेटरी प्रायोजी निकाय ने स्वागत भाषण देते हुए अतिथियों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवि प्रकाश दुबे ने दीक्षान्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उपाधियां देने हेतु कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी ने कुलपति के माध्यम से कुलाधिपति से अनुमति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के नामों की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला केन्द्र के निदेशक श्री विनय उपाध्याय ने किया। प्रारंभ में दीक्षान्त समारोह की शोभायात्रा द्रोणांचल भोपाल से आए आर्मी बैंड की धुनों के साथ निकाली गई। इसके पश्चात् दीक्षान्त समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और सरस्वती वंदना से हुआ। समारोह का प्रारंभ और समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के पदाधिकारी, विश्वविद्यालय की गवर्निंग बॉडी और बोर्ड आफ मैनेजमेंट के पदाधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव, शिक्षाविद्, विद्यार्थी और उनके अभिभावक उपस्थित थे।

आर्चिन कुमार: एक युवा शोधकर्ता की कहानी

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में पीएचडी स्कॉलर आर्चिन कुमार ने अपनी शैक्षिक योग्यता और उपलब्धियों से सबको प्रभावित किया है। 23 वर्षीय आर्चिन कुमार ने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद रविन्द्र नाथ टैगोर यूनिवर्सिटी से बी ए (ऑनर्स) समाजशास्त्र में 82.1% से टॉप किया। इसके बाद, आर्चिन कुमार ने रबिन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी से एम ए समाजशास्त्र में 91.4% से यूनिवर्सिटी टॉप कर गोल्ड मैडल अर्जित किया। आर्चिन कुमार ने अपनी शिक्षा के साथ-साथ 60 से ज्यादा ऑनलाईन सर्टिफ़िकेट कोर्स भी किए हैं, जिनमें कोर्सेरा, WHO, यूनिसेफ, ड्यूक यूनिवर्सिटी, येल यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग, यूनिवर्सिटी ऑफ टोरोंटो आदि शामिल हैं। जून 2024 में, आर्चिन कुमार ने यूजीसी नेट जेआरएफ समाजशास्त्र में 97.5 पर्सेंटाइल से बिना कोचिंग के पहले प्रयास में किया। उन्होंने 2023 में IB ACIO का इंटरव्यू भी दिया और वर्तमान में यूपीएससी सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे हैं। आर्चिन कुमार ने काशी हिन्दू विश्व विद्यालय में पीएचडी एडमिशन में 4 रैंक हासिल कर पीएचडी में एडमिशन लिया है, जहाँ से वे जेल में बंधी प्रेग्नेंट और मदर कैदियों और उनके बच्चों के ऊपर शोध कार्य करने की योजना बना रहे हैं।

आरएनटीयू के एलएलएम के छात्र आदित्य शर्मा ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि मैं पेशे से सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड हूं। परंतु वर्ष 2020-21 में मैंने ब्रेक लेकर एक बार फिर से लॉ एजूकेशन को रिफ्रेश किया। इस दौरान मुझे आज के फैकल्टीज एवं स्टूडेंट्स द्वारा किए जा रहे चिंतन को समझने का मौका मिला जो रेगुलर प्रेक्टिस और क्लाइंट डिलिंग में सहायक होगा।

आदित्य शर्मा, गोल्ड मेडलिस्ट, एलएलएम

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वाली प्रतिज्ञा व्यास जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, गया में पदस्थ हैं। वे अपने शोधकार्य पर बात करते हुए कहती हैं कि मेरा विषय "लैंगिक परिप्रेक्ष्य में क्रूरता के बदलते आयामों का आलोचनात्मक अध्ययन" रहा। मैं चूंकि न्यायिक क्षेत्र में हूं और हमारी सामाजिक व्यवस्था का पूरा तानाबाना न्यायिक क्षेत्र पर बहुत निर्भर करता है। हम अच्छा करने के लिए क्या कर सकते हैं। इसलिए हमने इस विषय को शोध के लिए चुना और सफलता पूर्वक शोध को पूरा किया।

डॉ. प्रतिज्ञा व्यास, गोल्ड मेडलिस्ट, पीएचडी स्कॉलर

आरएनटीयू में एमटेक के छात्र हरीश शर्मा ने अपना अनुभव साझा करते हुए कि विश्वविद्यालय के फेकल्टीज के सहयोग से मेंने "कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट" अपने शोध का कार्य किया है। इन दो वर्षों के दौरान मेरे दो रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पब्लिश हुए हैं। इसमें वेस्ट प्रोडक्ट का कॉक्रीट में इस्तेमाल करके कैसे उसे मजबूती प्रदान कर सकते हैं, पर कार्य किया गया है। चूंकि मैं मप्र शासन में नगरीय प्रशासन विभाग में सहायक अभियंता हूं, तो अपने कार्य के दौरान यह शिक्षा मेरे लिए सहयोगी साबित होगी।

हरीश शर्मा, गोल्ड मेडलिस्ट, एमटेक

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और अमेरिका के फुलब्राइट पुरस्कार प्राप्त युवा हिंदी संस्थान द्वारा 'भाषा संवाद' का आयोजन

09th March: न्यू जर्सी (अमेरिका) स्थित युवा हिंदी संस्थान और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के संयुक्त प्रयास से विकसित फुलब्राइट-हेस जी पी ए हिंदी पाठ्यक्रम निर्माण परियोजना के बीस सदस्यीय दल ने रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल की मेजबानी में आयोजित 'भाषा संवाद' एवं विविध कार्यक्रमों में रचनात्मक भागीदारी की। इस अवसर पर विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड-2025 के पोस्टर का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलाधिपति एवं विश्व रंग के निदेशक श्री संतोष चौबे ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र प्रेम, मातृभाषा और भारतीय संस्कृति के प्रति गहरी आस्था के कारण विदेशों में प्रवासी भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों ने वैश्विक स्तर पर न सिर्फ हिंदी को बचाए रखा है वरन उसके विस्तार की नई संभावनाओं को जन्म दिया है।

फुलब्राइट-हेस जीपीए परियोजना के कार्यक्रम निदेशक अशोक ओझा ने कहा कि युवा हिंदी संस्थान और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी फुलब्राइट-हेस जी पी ए परियोजना का मुख्य उद्देश्य यह है कि अमेरिकी भाषा शिक्षकों और वहाँ शिक्षक-प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति का औपचारिक ज्ञान प्राप्त हो, ताकि वे अमेरिका लौटकर उन सांस्कृतिक विषयों पर हिंदी में उत्कृष्ट पाठ्यक्रम तैयार कर सकें। न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में हिंदी की वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रोफ़ेसर गैब्रिएला निक इलेवा ने हिंदी शिक्षण पर विचार रखते हुए कहा कि सभी विद्यार्थियों के हिंदी शिक्षण के उद्देश्य अलग-अलग होते हैं। अमेरिका में हिंदी शिक्षण के दौरान हम विद्यार्थी केंद्रित पद्धति की बात करते हैं। उसी के आधार पर शिक्षण सामग्री और पाठ–अध्याय तैयार करने की कोशिश करते हैं।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित भाषा संवाद में डेनियल मेंगो, सन फ्रांसिको विश्वविद्यालय, सविता बाला, मिडलेक्स कॉलेज, ईरयाना बाबिक, बियोस स्टेट यूनिवर्सिटी, निलाक्षी फुकन, नॉर्थ कोरलिना यूनिवर्सिटी, कुसुम , डूके यूनिवर्सिटी, प्रेमलता विश्नवा, कम्युनिटी स्कूल इंस्ट्रेक्टर, फुलब्राइट-हेस जी पी ए परियोजना, राजेश शाह प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में 7वीं महिला उत्कर्ष पुरस्कार 2025 समारोह: महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाली महिलाओं का सम्मान

07th March: रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में मध्यप्रदेश द्वारा 7वीं महिला उत्कर्ष पुरस्कार 2025 का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर किया गया। इस अवसर पर 'ACCELERATE ACTION' थीम के तहत महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के शारदा ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम की बतौर अध्यक्षता प्रो- चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने अपने उद्बोधन में आगे कहा, "महिला सशक्तिकरण के लिए यह दिन हम सभी को यह समझने का अवसर देता है कि महिलाओं को हर क्षेत्र में समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए।

रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय महिला शिक्षा और उनकी समृद्धि के लिए निरंतर कार्यरत है। इस आयोजन के माध्यम से हम महिलाओं के संघर्ष, समर्पण और उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के उनके योगदान को सराहते हैं। हमें और अधिक मिलकर काम करना होगा ताकि महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता और कौशल के साथ कदम बढ़ा सकें।"

कुलगुरु प्रो. रविप्रकाश दुबे ने इस आयोजन को महिला सशक्तिकरण के महत्व को स्वीकारते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम महिलाओं की उपलब्धियों और संघर्ष को सम्मानित करने का एक माध्यम हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती त्रिप्ती त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में बताया कि महिलाओं को सशक्त बनाना समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। रवींद्रनाथ टैगोरविश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम महिलाओं के समर्पण और उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करने का एक अद्भुत प्रयास है।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिकुलपति डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि "महिला सशक्तिकरण का यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि समाज में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय हमेशा महिला शिक्षा और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध रहा है।" विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार डॉ. संगीता जौहरी अपने उद्बोधन में कहा कि "आज का कार्यक्रम हमें यह बताता है कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर सकती हैं। रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय महिला शिक्षा और उनके सशक्तिकरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए हमेशा अग्रसर रहेगा। यह पुरस्कार उन महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा जिन्होंने अपनी मेहनत से समाज में बदलाव लाया है।"

डॉ. राका आर्य, श्रीमती अनुराधा सिंघल, डॉ. प्रार्थना मिश्रा, डॉ. अभा ऋषि, डॉ. आदिति सक्सेना ने भी महिला सशक्तिकरण के महत्व को पर अपने उद्गार व्यक्त किए।

इस कार्यक्रम में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाएं सम्मानित की गईं।

पुरस्कार प्राप्त करने वाली महिलाएं

श्रीमती लाडो बाई ताहेड़– पारंपरिक आदिवासी चित्रकार

श्रीमती चंदा चौहान– जिला पंचायत सदस्य, ओबेदुल्लागंज, रायसेन (एम.पी.)

सुश्री कनिष्का शर्मा– अंतर्राष्ट्रीय बधिर तायक्वांडो खिलाड़ी

श्रीमती उर्मिला असवारे– सरकारी मध्य विद्यालय शिक्षिका, पिपलिया लोरका, मंडीदीप, (एम.पी.)

विश्वविद्यालय से पुरस्कार प्राप्त करने वाली महिलाएं:

डॉ. रचना चतुर्वेदी– निदेशक, शोध विभाग

डॉ. शीतल गोलाती– प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग

डॉ. अंजली तिवारी– सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग

सुश्री पूजा नागोत्रा– सहायक प्रोफेसर, एम.एम.एल.टी. हिस्टोपैथोलॉजी

डॉ. रुचि मिश्रा तिवारी– डीन, मानविकी और उदार कला संकाय

सुश्री श्रेया शर्मा– कंटेंट राइटर, आईक्यूएसी

श्रीमती वैषाली सिंह– कार्यालय सहायक, शोध प्रकोष्ठ

सुश्री सुमंतरा यादव– माली, सहायक कर्मचारी

RNTU Clinches Bronze at 38th Inter-University National Youth Festival

01st April: RNTU proudly announces its students' remarkable achievement at the 38th Inter-University National Youth Festival, where they secured the bronze medal in the Folk Orchestra and Cultural Procession categories. The prestigious event, hosted by Amity University in Uttar Pradesh, saw participation from 146 universities across India.

Under the skilled leadership of cultural coordinators Dr. Jitendra Ahir and Ms. Durga Verma, the RNTU team delivered an outstanding performance that captivated audiences and judges alike. The university's Pro-Chancellor, Dr. Aditi Chaturvedi Vats; Registrar, Dr. Sangeeta Jauhri; IQAC Director, Dr. Nitin Vats; and Dean Student Welfare Dr. Ankit Pandit commended the teams' dedication and success and extended heartfelt congratulations to the students on this significant accomplishment.

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के 'शोध शिखर-विज्ञान पर्व-2025' में प्रमुख वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

28th March: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और सहयोगी संस्थाओं द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शोध और नवाचार सम्मेलन **शोध शिखर-विज्ञान पर्व- 2025** का भव्य शुभारंभ हुआ। इस वर्ष इस कार्यशाला का विषय 'विकसित भारत-नया भारत' है। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि श्री अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास उपस्थित रहे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ. नम्रता पाठक, वैज्ञानिक-जी, एनजीपी और एसएमपी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, डॉ. अरविन्द रानाडे, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, अहमदाबाद, इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए पत्रिका की कार्यकारी संपादक डॉ. विनीता चौबे, डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रति कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय तथा डॉ. अमिताभ मिश्रा, डीजीएम और हेड (बायो-फार्मा), राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम, उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने की।

कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत करते हुए डॉ. रचना चतुर्वेदी ने बताया कि शोध शिखर युवाओं को शोध तथा नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत तथा अन्य राष्ट्रीय विकास की योजनाओं को जोड़ने की एक अनोखी पहल है।

शोध के लिए विचार प्रक्रिया और अनुसंधान में मातृभाषा को महत्व देना चाहिए: *डॉ अतुल कोठारी*

डॉ. अतुल कोठारी ने अपने उद्बोधन में शोध और शिक्षा के लिए मातृभाषा के महत्व पर जोर दिया। उनके अनुसार, जब शोधकर्ता अपनी मातृभाषा में विचार करते हैं और लिखते हैं, तो वे अपने विचारों को अधिक स्पष्ट और सटीक रूप से व्यक्त कर पाते हैं, जिससे अनुसंधान का स्तर और प्रभाव बढ़ता है। डॉ. कोठारी ने यह भी कहा कि मातृभाषा को अनुसंधान की प्रक्रिया में शामिल करने से न केवल विचारों की स्पष्टता बढ़ती है, बल्कि यह भी सुनिश्चित होता है कि समाज के विभिन्न वर्गों तक शोध का प्रभाव पहुंचे।

विश्वविद्यालय ने नवाचार और शिक्षा में नए आयाम स्थापित किये: *श्री संतोष चौबे*

कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने उद्घाटन भाषण में विश्वविद्यालय की शैक्षिक और अनुसंधान क्षमता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश का पहला निजी विश्वविद्यालय है जिसने शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में

नए आयाम स्थापित किए हैं। श्री चौबे ने कहा, "रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय न केवल शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह राज्य के विकास में भी सक्रिय भागीदार बन चुका है। प्रधानमंत्री कौशल केंद्र, अटल इंक्यूबेशन सेंटर और नवरत्न केंद्र जैसी पहलें इस बात का प्रमाण हैं कि विश्वविद्यालय सिर्फ शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां छात्रों को व्यावहारिक कौशल, नवाचार और सांस्कृतिक संवेदनाओं के क्षेत्र में भी उच्चतम स्तर की शिक्षा मिल रही है।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय का विजन 2047 की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान : *श्री अरविंद रानाडे*

अरविंद रानाडे ने विजन 2047 के संदर्भ में सरकार की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है और आने वाले वर्षों में यह विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों और समाज को सशक्त बनाने के लिए कई नई योजनाओं और पहलुओं पर काम कर रहा है।श्री रानाडे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, विजन 2047 केवल एक योजना नहीं, बल्कि एक दृष्टिकोण है, जिसमें हम भारत को अगले 25 वर्षों में एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और प्रौद्योगिकियों से लैस राष्ट्र के रूप में देखेंगे।

राष्ट्र की उन्नति के लिए युवाओं को रिसर्च और इनोवेशन से जोड़ना होगा: *डॉ. नम्रता पाठक*

श्रीमती नम्रता पाठक ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विभाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उनका मानना है कि वैज्ञानिकों को सहयोग प्रदान करके ही राष्ट्र की उन्नति संभव है।श्रीमती नम्रता पाठक ने कहा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

हम समाज के प्रवाह के साथ चलकर ही समाज को कुछ दे सकते हैं : *डॉ. अमिताभ मिश्रा*

डॉ. अमिताभ मिश्रा ने अपने उद्बोधन में बताया कि हिक्स कंपनी द्वारा विकसित एक नवाचारी थर्मामीटर जानकारी साझा की। इस थर्मामीटर का उद्देश्य आने वाली पीढ़ी के लिए एक उपयोगी और तकनीकी दृष्टिकोण से प्रभावी समाधान प्रदान करना था।डॉ. मिश्रा ने इस थर्मामीटर के पीछे के विचार को साझा करते हुए कहा, हम समाज के प्रवाह के साथ चलकर ही समाज को कुछ दे सकते हैं। हिक्स कंपनी ने यह थर्मामीटर इस सोच के साथ विकसित किया था कि यह समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके।

इंडस्ट्री एकेडमिया कोलेबोरेशन फॉर कॉमर्शियलाइजेशन

एआईसी-आरएनटीयू के थिंक टैंक हॉल में "इंडस्ट्री एकेडमिया कोलेबोरेशन फॉर कॉमर्शियलाइजेशन" विषय पर सेशन का आयोजन किया गया। इसमें ऐसे प्रोजेक्ट्स द्वारा प्रतिभागिता की गई जिन्हें मार्केट में कमर्शियलाइज़ किया जा सकता है। ऐसे प्रोत्साहित किए जाने योग्य प्रोजेक्ट्स को जांचने के लिए इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स में एनआरडीसी से डॉ अमिताभ मिश्र, नाबार्ड से डॉ मुकुंद आर, आईआईआईटी बंगलौर में आर एंड डी वेबसाइंस की डीन प्रो श्रीनाथ श्रीनिवास बतौर जज उपस्थित रहे। इस दौरान करीब 26 प्रोजेक्ट को प्रतिभागियों द्वारा पिच किया गया जिनमें प्रमुख रौनक शर्मा द्वारा " फीमेल सिक्योरिटी सिग्नल अलार्म सिस्टम", डॉ अमित कुमार पटेल द्वारा " डेवलेपमेंट बायोएंजाइम्स बेस्ड प्रोडक्ट फ्रॉम वेस्ट मटेरियल", अनिल अनंत द्वारा "रिमोट कंट्रोल्ड रिवर सर्फेस क्लीनिंग बोट यूजिंग ग्रीन एनर्जी", डॉ टी. रविकिरण द्वारा " सोलर पावर्ड वेलमोबॉल फॉर ग्रीन कम्यूटिंग" इत्यादि विभिन्न प्रोडक्ट्स को प्रस्तुति कया गया।

विज्ञान पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य में इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए: डॉ. विनीता चौबे ने साझा किए विचार

29th March: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में आयोजित "**शोध शिखर-विज्ञान पर्व-2025**" के तहत विज्ञान संचार सत्र में "**विज्ञान पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य में इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए**" विषय पर विचार-विमर्श हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विनीता चौबे, विज्ञान कथाकार मनीष मोहन गोरे, डॉ. कुलवंत सिंह, समीर गांगुली, और डॉ. मनीष श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. विनीता चौबे ने अपने उद्बोधन में बताया कि विज्ञान प्रसार के उद्देश्य से "इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए" पत्रिका का प्रकाशन किया गया था। उन्होंने पुराने समय का जिक्र करते हुए बताया कि जब पोस्टकार्ड और अंतरदेशीय पत्रों का दौर था, तब बस्तर और झाबुआ जैसे स्थानों से लोग 12-15 पृष्ठों के लेख भेजते थे। यह पत्रिका की लोकप्रियता का प्रतीक था। आज, इस पत्रिका की 35 हजार से अधिक प्रतियां हर माह प्रकाशित हो रही हैं।

डॉ. विनीता चौबे ने बच्चों के लिए विज्ञान पत्रिका की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विज्ञान के क्षेत्र में बच्चों के लिए कोई प्रमुख हिंदी पत्रिका नहीं है, जिसे बच्चों के समझने योग्य और रुचिकर तरीके से प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने अपने कार्य को लोक के विज्ञान को बढ़ावा देने के रूप में बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान की समृद्ध और आलोकित परंपरा की बात की। उन्होंने ए.आई. के युग में बदलाव की आवश्यकता की ओर संकेत करते हुए कहा कि हमें अपनी प्राचीन ज्ञान परंपराओं को भी संजोने और उन्हें आधुनिक दृष्टिकोण से देखे जाने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को एक ऐसा पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए, जिसमें प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक विज्ञान की परंपरा की जानकारी विद्यार्थियों को दी जा सके।

कार्यक्रम के दौरान कई प्रमुख पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। इनमें विज्ञान कथाकार अनुपमा गोरे की "भारतीय महिला वैज्ञानिक", डॉ. कुलवंत सिंह की "पदार्थों का विकास", समीर गांगुली की "सतरंगी दाढ़ी वाला बूढ़ा" और डॉ. मनीष श्रीवास्तव की "भारतीय वैज्ञानिक मिशन" शामिल थीं।

इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि विज्ञान के प्रसार के लिए न केवल नए विचारों की आवश्यकता है, बल्कि हमारी प्राचीन परंपराओं और विज्ञान के क्षेत्र में किए गए कार्यों को भी मान्यता और बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

Project Display

शोध शिखर - विज्ञान पर्व में छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण गतिविधि है, जो उनकी रचनात्मकता, शोध क्षमता और प्रस्तुति कौशल बढ़ावा देती है।

दो दिवसीय शोध शिखर विज्ञान पर्व -2025 का समापन

29th March: शोध एवं अनुसंधान पर आधारित दो दिवसीय कार्यक्रम "शोध शिखर विज्ञान पर्व 2025" का विश्वविद्यालय के शारदा सभागार में समापन सत्र संपन्न हुआ। इसमें बतौर मुख्य अतिथि मप्र निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. भरत शरण सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. मनोज कुमार पटेरिया, पूर्व अध्यक्ष, CSIR–NIScPR एवं डॉ. नम्रता पाठक, वैज्ञानिक-जी, एनजीपी और एसएमपी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (DST) उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों में स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आरएनटीयू की प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलगुरू आरपी दुबे और सीवीआरयू खंडवा के कुलगुरू डॉ. अरूण जोशी उपस्थित रहे।

शोधार्थी सिर्फ अपनी खोजी दृष्टि से भी कर सकते हैं कई रिसर्च : *प्रो. भरत शरण*

इस दौरान अपने वक्तव्य में प्रो. भरत शरण ने शोधार्थियों से भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लिए कार्य करने की बात कही। उन्होंने प्राचीन समय के कई उद्धरण देते हुए भारत की प्राचीन उपलब्धियों से अवगत कराया उन्होंने बताया कि सन 1750 में भारत दुनिया का जीडीपी का 25 प्रतिशत सम्भालता था, स्थापत्य कला में उत्कृष्टता हडप्पा से लेकर हम्पी तक देखी जा सकती है। इसी प्रकार गणित शास्त्र, विद्युत शास्त्र, धातु विज्ञान और खगोल विज्ञान की कई अवधारणाओं का भी जिक्र किया। आगे उन्होंने शोधार्थियों से बात करते हुए कहा कि रिसर्च के लिए महंगे उपकरणों की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि शोधार्थी की सिर्फ खोजी दृष्टि बनाए रखने की जरूरत होती है।

भारत के पास प्राचीन ज्ञान है, उसके साइंटिफिक वेलिडेशन की है जरूरत: *डॉ. मनोज कुमार पटेरिया*

डॉ. मनोज कुमार पटेरिया ने अपने वक्तव्य में आरएनटीयू द्वारा स्थापित किए टेक्नोलॉजी ट्रांस्फर सेंटर की सराहना की और कहा कि रिसर्च को इंडस्ट्री रेडी बनाने के लिए सेंटर्स महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। इसके अलावा उन्होंने शोधार्थियों को कहा कि भारत के पास बहुत सारा प्राचीन ज्ञान है परंतु साइंटिफिक वेलिडेशन की कमी के कारण दुनिया उसकी ओर देख नहीं पाती है। ऐसे में इस पहलू पर कार्य किए जाने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

इससे पहले डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत आज रिसर्च में 40वें स्थान पर है और हमारा रिसर्च पर निवेश भी विकसित राष्ट्रों के मुकाबले काफी कम है। ऐसे में एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए लम्बी दूरी तय करना बाकी है जिसके लिए हमें गति की आवश्यकता है। गति के लिए जो तकनीक हमें चाहिए उसके लिए शोध शिखर जैसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं।

वहीं, डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने अपने वक्तव्य में दो दिन तक चले शोध शिखर विज्ञान पर्व की जानकारी साझा करते हुए बताया कि

इसमें 7 समानांतर सत्रों में 1500 से अधिक प्रतिभागी, 100 से अधिक वक्ताओं, 176 संस्थाओं, 75 से अधिक प्रोजेक्ट्स, 300 से अधिक शोध पत्रों की प्रतिभागिता रही। इसके अलावा 25 से अधिक शोध एवं उत्पादों के कॉमर्शियालाइजेशन पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस दौरान कार्यक्रम मे इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस, साइंस एंड एग्रीकल्चर, एजुकेशन एंड लॉ, मैनेजमेंट कॉमर्स एंड ह्यूमेनिटीज कैटेगरी में प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा साइंस कम्यूनिकेशन में प्रथम एवं द्वितीय विनर्स को भी सम्मानित किया गया।

श्यामला पहाड़ी पर 'होरी हो ब्रजराज' का सतरंगी नज़ारा

18th March.: फागुन के आसमान पर खिली चाँद की दूधिया रोशनी में जब प्रेम का बावरा-भीगा रंग परवान चढ़ा तो झील-पहाड़ियों के शहर का क़तरा-क़तरा थिरक उठा। रंग पंचमी के मुहाने पर सजे इस सुहाने मंजर को हुरियारों के बीच अपनी प्रिय सखी राधा और गोपियों के संग कान्हा ने और भी दिलकश बना दिया। फिज़ाओं में गूंज उठा- ''यमुना तट श्याम खेलत होरी"। ये नज़ारा ब्रज और मैनपुरी लोक अंचल में सदियों से प्रचलित होली के गीतों का था। प्रसिद्ध नृत्यांगना क्षमा मालवीय ने पुरू कथक अकादमी के पिचहत्तर से भी ज़्यादा कलाकारों की टोली बनाई और इस मंडली के साथ अभिनय और लयकारी का इन्द्रधनुष रच दिया। 'विश्वरंग' जैसे विशाल सांस्कृतिक महोत्सव के रचयिता संतोष चौबे की इस सतरंगी पहल से तैयार हुए दिलकश ताने-बाने को कला समीक्षक-उद्घोषक विनय उपाध्याय की पुरकशिश आवाज़ में सुनना एक अलहदा रूमानी अहसास था। अनूप जोशी बंटी ने प्रकाश-परिकल्पना से और भी सजीला बना दिया। डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने इस आयोजन के हर आयाम को सुंदर बानगी प्रदान की। टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र की ओर से मानव संग्रहालय के मुक्ताकाश मंच पर 'होरी हो ब्रजराज' की शक्ल में सजी यह सलोनी शाम यकीनन एक मीठी-मदिर याद की तरह दर्शकों के ज़ेहन में मुद्दतों तक क़ायम रहेगी। गीत-संगीत की हमजोली में 'होरी हो ब्रजराज' प्रेम और सद्भाव की सुंदर मिसाल बना। संतोष कौशिक और राजू राव ने इन गीतों का संगीत संयोजन किया है।

करीब सवा घंटे के इस जादुई मंज़र की शुरूआत ''चलो सखी जमुना पे मची आज होरी'' से होती है। कृष्ण, उनकी प्रिय सखी राधा और गोकुल के ग्वाल-बाल मिलकर रंग-गुलाल के बीच मीठी छेड़छाड़ का उल्लास भरा माहौल तैयार करते हैं। फागुन की अलमस्ती और उमंगों का सिलसिला होली गीतों के साथ आगे बढ़ता है और ताल पर ताल देता ''आज मोहे रंग में बोरो री'' पर जाकर मिलन और आत्मीयता में सराबोर होता है। द्वापर युग से चली आ रही परंपरा के गीतों की यह खनक देर तक राजधानी के रसिकों से अठखेलियां करती रही। मिट्टी की सौंधी गंध से महकते गीतों और उन्हें संवारती मीठी-अल्हड़ धुनों के साथ कलाकारों के भावपूर्ण अभिनय ने होरी के इस रूपक को एक रोमांचक अहसास में बदल दिया। विश्वरंग, वनमाली सृजन पीठ, स्टूडियो,आईसेक्ट और आरएनटीयू की साझा पहल से यह प्रस्तुति तैयार हुई।'होरी-हो ब्रजराज' परंपरा का एक सौंधा और मीठा-मादक अहसास है। इससे गुजर कर भीतर जाने कितने ही भाव गहरे हो उठते हैं।

इस रंग-बिरंगे रूपक में लोक का खुला मीठा संगीत है तो लय-ताल और देशी साज़-बाज़ की गमक के साथ चलती शास्त्रीय राग-रागिनियों की छाया अनोखा स्वाद और आनंद देती है। समारोह का एक अलहदा आकर्षण प्रशांत सोनी द्वारा संयोजित चित्र प्रदर्शनी रही। इस अवसर पर पुस्तिका 'होरी हो ब्रजराज' तथा आईसेक्ट पब्लिकेशन का विश्व पुस्तक मेला बुलेटिन विशेषांक का लोकार्पण भी हुआ। इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय के निदेशक डा. अमिताभ पाण्डेय, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे, स्कोप ग्लोबल स्किल युनिवर्सिटी के कुलाधिपति सिद्धार्थ चतुर्वेदी, पलल्वी चतुर्वेदी, नितीन वत्स, अदिति चतुर्वेदी वत्स, आरएनटीयू कुलसचिव संगीता जौहरी, वनमाली सृजन पीठ के अध्यक्ष मुकेश वर्मा सहित आईसेक्ट समूह और टैगोर विश्वविद्यालय के अनेक अधिकारी, प्राध्यापक कर्मचारी तथा साहित्य-संस्कृति से जुड़े गणमान्य जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

उत्सवधर्मी परंपरा का प्रतिबिंब

आईसेक्ट स्टुडियो की हमारी टीम ने दो-तीन बरस तक ब्रज की गाँव-गलियों की ख़ाक छानी और लोक गीतों का उसकी मौलिक धुनों के साथ संग्रह किया। इस दौरान सैकड़ों होली गीतों का ज़खीरा हाथ लगा। ये भारतीय संस्कृति और उत्सवधर्मी परंपरा के प्रतिबिंब है।

- संतोष चौबे, कथाकार-कवि तथा चेयरमेन आईसेक्ट समूह

सौंधा, मीठा-मादक अहसास

'होरी-हो ब्रजराज' परंपरा का एक सौंधा और मीठा-मादक अहसास है। इससे गुजर कर भीतर जाने कितने ही भाव गहरे हो उठते हैं। इस रंग-बिरंगे रूपक में लोक का खुला मीठा संगीत है तो लय-ताल और देशी साज़-बाज़ की गमक के साथ चलती शास्त्रीय राग-रागिनियों की छाया अनोखा स्वाद और आनंद देती है। इसमें नृत्य और अभिनय का संयोजन कर क्षमा मालवीय और उनकी शिष्याओं ने इस अहसास को और भी घना कर दिया।

- विनय उपाध्याय, निदेशक टैगोर कला केन्द्र

RNTU Concludes Fifteenth Edition of Rhythm 2K25: A 'Retro Revival' Extravaganza

9th-10th April: Rabindranath Tagore University successfully concluded the fifteenth edition of its annual cultural festival, RHYTHM 2k25, which ran from April 9th to 12th. This year's festival, themed "Retro Revival," brought a fresh wave of enthusiasm and grandeur, seamlessly blending nostalgic cultural elements with contemporary innovation.

The four-day celebration commenced with a spectacular inaugural procession across the university campus. Students captivated attendees with their creative floats and vibrant performances, setting an energetic tone for the festivities.

The opening ceremony saw the distinguished presence of Dr. Aditi Chaturvedi Vats, Pro-Chancellor; Dr. R.P. Dubey, Vice-Chancellor; Dr. Sanjeev Kumar Gupta, Pro Vice-Chancellor; Dr. Sangeeta Jauhri, Registrar; and Dr. Nitin Vats, Director IQAC.

The initial two days of the festival were packed with diverse competitions, including body and face painting, reels making, fireless cooking, nukkad natak (street plays), mono-acting, mime, poetry, debate, storytelling, story writing, coding marathon, weaving art, paper bead crafting, group dance, solo dance, solo singing, and solo instrumental performances. Students from other universities and colleges across the

city also actively participated in these events. During the festival, the annual report of the Student Activity Council and the literary magazine "Rang Samvad" were also unveiled by the esteemed guests.

Afro-Fest Showcases Vibrant African Culture with 250 Students from 15 Nations

RNTU recently hosted its spectacular Afro-Fest, an event that beautifully underscored the theme of unity in diversity. The festival saw the enthusiastic participation of 250 students from approximately 15 African countries, who captivated the audience with their unique cultural presentations.

The primary objective of Afro-Fest was to foster a global cultural confluence and provide an international platform for students to showcase their art, culture, and traditions. The venue was elaborately decorated with vibrant African motifs, immersing attendees in the rich cultural heritage of the continent.

A major highlight of the event was the Afro-inspired ramp walk,

where students confidently displayed traditional attire, drawing widespread admiration. The diverse array of traditional costumes worn by students from various nations created a vivid tableau of unity.

The festival also featured a dynamic series of cultural dances, musical performances, and a fashion show, all meticulously presented by the students. Indian

students from RNTU actively participated, further strengthening the spirit of cultural exchange.

Afro-Fest at RNTU truly celebrated the richness of African culture while promoting a sense of global camaraderie and understanding among its diverse student body.

रिदम 2K25: "रेट्रो रिवाइवल" रैंप वॉक बना आकर्षण का केंद्र

11th April: इस वर्ष रिदम 2K25 की थीम "रेट्रो रिवाइवल" को विशेष रूप से मंचित करने के लिए आयोजित रैंप वॉक कार्यक्रम दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना। रेट्रो युग की झलकियों को जीवंत करते हुए प्रतिभागियों ने 70 और 80 के दशक की फिल्मों, संगीत, फैशन और स्टाइल को समर्पित पोशाकों और प्रस्तुतियों के माध्यम से मंच पर जबरदस्त प्रभाव डाला। रैंप वॉक की शुरुआत एक सधे हुए उद्घोषण और प्रकाश व्यवस्था के साथ हुई, जिसने पूरे सभागार को एक अलग ही उत्सवमय वातावरण में रंग दिया। प्रतिभागियों ने ब्लैक एंड व्हाइट युग से लेकर डिस्को जमाने तक के फैशन ट्रेंड्स को दर्शा उस दौर को जीवंत कर दिया।

हर राउंड की प्रस्तुति में प्रतिभागियों ने अपने अभिनय और आत्मविश्वास से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बैकग्राउंड में पुराने सुपरहिट गानों की धुनें गूंजती रहीं, जिससे माहौल और अधिक रोचक हो गया। न केवल पोशाकें बल्कि प्रतिभागियों की चाल, भाव-भंगिमाएँ और संवादों की अदायगी भी रेट्रो युग की आत्मा को छू रही थी।

रैंप वॉक के अंत में निर्णायक मंडल द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को "किंग आरएनटीयू" और "क्वीन आरएनटीयू" की उपाधियों से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन छात्रों को प्रदान किया गया जिन्होंने न केवल रेट्रो थीम के अनुरूप उत्कृष्ट प्रस्तुति दी बल्कि अपनी संपूर्ण उपस्थिति से दर्शकों और निर्णायकों पर भी गहरी छाप छोड़ी।

कार्यक्रम के अंत में स्टूडेंट एक्टिविटी काउंसिल, एनसीसी, एनएसएस और रेडियो युवाज से जुड़े सक्रिय छात्रों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। समापन अवसर पर स्टूडेंट एक्टिविटी काउंसिल की ओर से धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

सेलेब्रिटी नाइट में बॉलीवुड गायक अर्जुन कानूनगो ने बिखेरा संगीत का जादू

12th April: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव रिदम 2K25 के पंद्रहवें संस्करण के अंतर्गत आयोजित सेलेब्रिटी नाइट में बॉलीवुड के प्रख्यात गायक अर्जुन कानूनगो ने अपनी शानदार प्रस्तुति से समां बांध दिया। विश्वविद्यालय परिसर संगीत की धुनों और दर्शकों की तालियों से गूंज उठा, जब अर्जुन कानूनगो ने मंच पर कदम रखा और अपने लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति दी।

इस विशेष अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, एसजीएसयू के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, प्रो चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलपति प्रो. रवि प्रकाश दुबे, कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी, आईक्यूएसी निदेशक डॉ. नितिन वत्स, एवं आईसेक्ट की ईवीपी डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अर्जुन कानूनगो की प्रस्तुति ने रिदम 2K25 को बनाया यादगार

सेलेब्रिटी नाइट के दौरान जब मंच पर अर्जुन कानूनगो ने प्रवेश किया, तो छात्रों और दर्शकों के बीच उत्साह चरम पर पहुंच गया। उनकी प्रस्तुति की शुरुआत उनके सुपरहिट गीत "एक दफा" से हुई, जिसने माहौल को रोमांटिक और भावनात्मक रंग में रंग दिया। इसके बाद "फुर्सत", "बाकी बातें पीने बाद" "आया ना तू" और "ला ला ला" जैसे लोकप्रिय गीतों के जरिए उन्होंने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

हर गाने के साथ दर्शकों की तालियाँ और सीटियाँ गूंजती रहीं और पूरा प्रांगण एक लाइव कॉन्सर्ट के माहौल से सराबोर हो गया। अर्जुन ने न केवल गाया बल्कि दर्शकों से संवाद करते हुए उनकी ऊर्जा को लगातार बनाए रखा। उन्होंने मंच से बार-बार छात्रों की सराहना की और विश्वविद्यालय के आयोजन की तारीफ की।

उनकी आवाज़ प्रस्तुति शैली और मंच पर आत्मविश्वास ने साबित किया कि क्यों वे आज के युवाओं के चहेते गायक हैं। लाइव बैंड और लाइट शो के साथ उनकी परफॉर्मेंस ने संगीतमय शाम को यादगार बना दिया। अर्जुन ने अंत में अपनी प्रस्तुति को "इल्जाम" गीत गाकर भोपाल को झूमने पर मजबूर कर दिया।

4th Samarth Bharat Conclave 2025 Concludes Grandly

The 4th Samarth Bharat Conclave 2025 successfully concluded, marking a significant step towards the vision of an Atmanirbhar Bharat (self-reliant India). The two-day event dedicated its second day to crucial themes such as financial inclusion and social entrepreneurship.

The conclave, held in Bhopal, brought together policymakers, banking experts, academicians, and social organizations from across the country. The inaugural session was graced by Shri Gautam Tetwal, Minister of State for Skill Development and Employment, Government of Madhya Pradesh. Other distinguished guests on the dais included Smt. C. Saraswati, CGM NABARD; Manoj Kumar, General Manager State Bank of India (SBI) LHO (NW-3); Tarsem Singh Jeera, General Manager Central Bank of India - Zonal Office; Vimal Kumar Khabya, DGM SBI; Jitendra Kumar, DGM SBI LHO; Himanshu Vyas, DGM Union Bank of India; Santosh Choubey, Chairman of AISECT Group; Dr. Siddharth Chaturvedi, Executive Vice President at AISECT; and Anurag Gupta, Director AISECT.

Minister Gautam Tetwal emphasized that AISECT was significantly contributing to realizing the dream of a developed India. He stated that a developed India meant empowering every citizen and bringing everyone into the mainstream. He highlighted three key pillars essential for a developed India: skill development, financial inclusion, and social entrepreneurship. He stressed the need for youth to become creators of opportunities rather than just seekers.

Shri Santosh Choubey shared that AISECT was operating over 60,000 centers and had expanded its network to more than 65 countries. He proudly mentioned that AISECT pioneered the first financial kiosk center, which had grown to approximately 8,000 centers. AISECT had set a target of opening 10,000 kiosk centers and achieving over ₹100 Crores in revenue, a goal it was rapidly progressing towards.

Dr. Siddharth Chaturvedi noted AISECT's long-standing commitment to enhancing financial inclusion. He announced that, like every year, over 20 meetings of financial inclusion centers were planned across the country. He also outlined AISECT's plan to train over 2,000 women entrepreneurs and provide them with diverse services this year.

Shri Anurag Gupta detailed AISECT's 16 years of work in financial inclusion. He mentioned that 7,025 kiosk bank centers were currently operational, with 2,768 bank branches linked to AISECT's kiosk centers. These centers had generated a commission of ₹458 crore to date.

Shri Manoj Kumar underscored the critical need for financial literacy in today's world. He highlighted the rapid progress in increasing financial literacy through financial inclusion.

Smt. C. Saraswati cited self-help groups (SHGs) as the most suitable example of successful financial inclusion, noting their pivotal role in women's empowerment. She shared that 1.5 crore SHGs were linked with banks and benefiting from banking services.

Shri Tarsem Singh Jeera commended AISECT's efforts in financial inclusion, discussing grassroots challenges and potential solutions.

Shri Vimal Kumar Khabya advised financial inclusion centers to focus on increasing their income and generating more leads within their areas. He emphasized that this would not only benefit the centers but also contribute to the success of financial inclusion schemes.

The third session featured an expert discussion on "Opportunities in Financial Inclusion and G2C & B2C Services." Subsequent sessions provided information on opportunities to collaborate with the AISECT University Group and other AISECT products.

RNTU Student Selected for International Internship Program in Malaysia

08th April: RNTU has once again established its presence on the international stage. Akash Kumar, a student from the university's BBA department, was selected for the Global Immersion Program– International Internship Immersion Program hosted by UCSI University, Malaysia.

This program took place in Kuala Lumpur, Malaysia, from April 6 to April 11, 2025. This week-long internship offered students practical exposure to global business, management skills, and international culture. Participants had the opportunity to engage in activities such as industrial visits, case studies, workshops, and cultural exchange.

On this proud achievement, Shri Santosh Choubey, the Chancellor of the university, offered his congratulations, stating that RNTU has always been committed to promoting students on global platforms. He emphasized that Akash Kumar's success was not just a personal accomplishment but also another strong step towards the university's international engagement.

Pro-Chancellor Dr. Aditi Chaturvedi Vats remarked that such opportunities provide students with multifaceted development experiences. She attributed Akash's achievement to his hard work and the university's guidance. IQAC Director Dr. Nitin Vats added that when quality education is combined with international experience, students' holistic development is ensured.

VC Prof. R.P. Dubey expressed immense pride in Akash Kumar's selection for the international internship program. He stated that this opportunity would help Akash develop new perspectives, experiences, and leadership skills at a global level.

ओलंपियन विवेक सागर ने रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय को भेंट की भारतीय हॉकी टीम द्वारा हस्ताक्षरित जर्सी

24th April: भारतीय हॉकी टीम के वाइस कैप्टन एवं टोक्यो व पेरिस ओलंपिक में ब्रॉन्ज़ मेडल विजेता विवेक सागर ने रायसेन जिले के जिला खेल अधिकारी श्री जलज चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में आज रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे जी को भारतीय हॉकी टीम द्वारा हस्ताक्षरित विशेष जर्सी भेंट की।

कुलाधिपति श्री संतोष चौबे जी ने विवेक सागर का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए बधाई दी। आगे उन्होंने कहा कि विवेक केवल हमारे विश्वविद्यालय के नहीं बल्कि पूरे देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने प्रदेश के साथ-साथ देश का गौरव बढ़ाया है और उनके द्वारा दी गई यह जर्सी उस गौरव का प्रतीक है। इस विशेष अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स और एआईसी-आरएनटीयू के निदेशक डॉ. नितिन वत्स ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विवेक सागर विश्वविद्यालय के छात्र हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय उनके इस समर्पण और सफलता पर गर्व करता है।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी, ओएसडी टू चेयरमैन श्री पद्मेश चतुर्वेदी, उपकुलसचिव समीर चौधरी, स्पोर्ट्स आफिसर सतीश अहिरवार और जनसंपर्क अधिकारी विजय प्रताप उपस्थित थे।

कठपुतली निर्माण एवं संचालन पर कार्यशाला का आयोजन

25th March: टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल में एम.ए. ड्रामेटिक आर्ट के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 17 मार्च से 25 मार्च 2025 के बीच कठपुतली निर्माण एवं संचालन पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में हैदराबाद से पधारे प्रसिद्ध कठपुतली कलाकार और प्रशिक्षक मनीष पाचियारु ने विषय विशेषज्ञ के रूप में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने पारंपरिक और आधुनिक कठपुतली शिल्प, उनकी संरचना, संचालन तकनीकों और कथा कहने की बारीकियों पर गहन मार्गदर्शन दिया।

कार्यशाला के दौरान छात्रों ने स्वयं कठपुतलियों का निर्माण किया तथा उनके संचालन की व्यावहारिक विधियाँ सीखी। यह प्रशिक्षण न केवल तकनीकी दृष्टि से समृद्ध था, बल्कि रंगमंच के इस प्राचीन और प्रभावशाली माध्यम को समझने और अपनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक प्रयास भी रहा।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस कार्यशाला को विद्यार्थियों के समग्र रंगमंचीय विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया और मनीष पाचियारु के योगदान के लिए आभार व्यक्ति कया।

एकल नाट्य प्रस्तुतियों में छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन

15th April: टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल में एम.ए. ड्रामेटिक आर्ट के तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा दिनांक 11 अप्रैल से 15 अप्रैल 2025 तक एकल नाट्य प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। ये प्रस्तुतियां विद्यार्थियों की प्रायोगिक कक्षाओं के अंतर्गत की गईं।

इस श्रृंखला में विद्यार्थियों ने स्वयं अपने नाटकों की कथाओं का चयन किया तथा उनका निर्देशन और अभिनय भी खुद ही किया। इन एकल प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्रों ने न केवल अभिनय कौशल का परिचय दिया बल्कि अपने निर्देशन, लेखन और चरित्र निर्माण की समझ को भी प्रभावी ढंग से दर्शाया।

प्रत्येक प्रस्तुति में सामाजिक, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक विषयों को उठाया गया, जिसने दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया। विश्वविद्यालय प्रशासन और दर्शकों ने छात्रों की इस रचनात्मक पहल की सराहना की।

यह आयोजन छात्रों के लिए व्यावसायिक रंगमंच की तैयारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा, जहाँ उन्होंने रंगमंच की विविध विधाओं का व्यावहारिक अनुभव प्राप्ति कया।

यूथ फॉर माय भारत थीम पर सात दिवसीय ग्रामीण आवासीय शिविर का आयोजन

03rd March: भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल के साथ दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम हिनोतिया में किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन प्रख्यात अध्यात्म वेत्ता व प्रोफेसर डॉ सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी व रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति डॉ संजीव कुमार गुप्ता के करकमलों से हुआ।

इस अवसर पर श्री गोस्वामी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को राष्ट्र निर्माण के पावन कार्य में अपने योगदान को सुनिश्चित करना सिखाती है। सात दिवसीय विशेष शिविर युवाओं को विपरीत परिस्थितियों से निबटने के गुर भी सिखाता है। वहीं कुलपति डॉ संजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि युवा जहां एक ओर इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से केरेक्टर निर्माण कर पाते हैं वहीं दूसरी ओर उनके रोजगार के भी नये अवसर इस शिविर के माध्यम से खुलते हैं। विद्यार्थी बौद्धिक सत्र में विभिन्न क्षेत्रों के ख्यातिलब्ध व्यक्तित्वों का सान्निध्य पाकर नये आईडिया प्राप्त करते हुए बेहतर करियर की ओर अग्रसर होते हैं।

कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी के निर्देशन व कार्यक्रम अधिकारी डॉ रेखा गुप्ता व श्री गब्बर सिंह के नेतृत्व में किया गया। शिविर के दूसरे दिन युवाओं ने श्रमदान कर गांव में स्थित तालाब का गहरी करण किया। वहीं गांव में डिजीटल साक्षरता, सायबर फ्राड, इत्यादि पर भी वर्कशाप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी, राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉ आर एस नरवरिया, डॉ सुधीर कुमार शर्मा इत्यादि भी अतिथि के रूप में शामिल रहे।

ख्यातिलब्ध विद्वानों ने शिविरार्थियों को दिया जीवन मंत्र, विभिन्न विषयों पर भी प्रदान की जानकारी

शिविर के बौद्धिक सत्रों में भोपाल के राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध विद्वानों का आगमन हुआ जिन्होंने राष्ट्र निर्माण, महिला सशक्तिकरण, युवा शक्ति एवं चरित्र निर्माण, समाजसेवा में युवाओं का योगदान, डिजिटल साक्षरता एवं सायबर फ्राड, बैंकिंग एवं बीमा जागरुकता जैसे विषयों पर संबोधित करते हुए शिविरार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। जिनमें गांधी ग्राम सेवा समिति के संयोजक व भूतपूर्व प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर इनकमटैक्स श्री आर के पालीवाल, वरिष्ठ अध्यात्म वेत्ता व प्रोफेसर डॉ सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी, ज्ञान तीर्थ सप्रे संग्रहालय के निदेशक श्री अरविन्द श्रीधर, राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉ आर एस नरवरिया व हिंदी के सुविख्यात गजलकार एवं प्राध्यापक डॉ सुधीर कुमार शर्मा, डॉ उषा शर्मा, वरिष्ठ शिक्षाविद प्रोफेसर अमिताभ सक्सेना, दि न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी भारत सरकार के वरिष्ठ प्रबंधक श्री मुकेश बंसोड़े, पत्रकार एवं समाजसेवी श्री अभिषेक अज्ञानी, सीआईडी इंस्पेक्टर श्री राजन अहिरवार सहित विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों का सान्निध्य प्राप्त हुआ।

शिविर में परियोजना कार्य के अंतर्गत ग्राम में स्थित तालाब का गहरी करण कार्य किया गया। साथ ही डिजिटल साक्षरता एवं सर्वाइकल कैंसर पर नुक्कड़ नाटक व रैली का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हरियाणवी, राजस्थानी, छत्तीसगढ़ी, सहित मध्यप्रदेश के जनजातीय नृत्यों की प्रस्तुतियां दी गई। शिविर का संचालन एवं संयोजन छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ रेखा गुप्ता एवं छात्र इकाई के कार्यक्रम अधिकारी गब्बर सिंह के द्वारा किया गया। शिविर को नेतृत्व प्रदान किया नेशनल केंपर जमशेद आलम व सोनिया मीना ने। शिविर के समापन समारोह में भव्य शिव बारात निकाली गई। जिसमें भगवान् शिव, माता पार्वती सहित, भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी, श्री हनुमान व भूत-प्रेतों ने नृत्य करते हुए बारात निकाली। इस अवसर पर ग्रामीणों ने उनकी आरती उतारकर आशीर्वाद भी प्राप्त किया। शिविर की सफलता में मुख्य भूमिका शिविर संगठक रिपांशु कुमार, उपसंगठक आदर्श कुमार, शिवेंद्र राजपूत, शिविर संगठिका - प्रतिभा मैथिल, रिपु दमन भदौरिया,अविनाश कुमार सिंह, सत्यम कुमार वर्मा, मोहम्मद आकिब,शुभम माइकल, अवनि रघुवंशी, केशव कुमार, गुलशन कुमार, ऋषिका रघुवंशी, पीति कुमारी, शीतल चौधरी, दानिश अशरफ ,ज्योति कुमारी, कुंदन कुमार, विवेक भास्कर, सचिन कुमार,केशव राज मनीष कुमार, राखी कुलस्ते, शीतल कुशवाहा, वैष्णवी चौहान, युवराज कुमार सिंह, शिवानी, कुणाल सिंह, चंदन कुमार, सलीम वीके, पायल साहू, मनीष कुमार, दीपू कुमार चौबे इत्यादि की रही।

विश्व पृथ्वी दिवस पर एनएसएस के एक दिवसीय शिविर का हुआ आयोजन

22nd April: विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, सीवी रमन विज्ञान संचार केंद्र तथा विज्ञान विभाग द्वारा गांधी ग्राम सेवा समिति एवं यूथ फॉर सेवा भोपाल चेप्टर के सहयोग से एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन चार मंडली गांव में किया गया। इस शिविर में विश्वविद्यालय के लगभग 50 स्वयंसेवकों ने सहभागिता करते हुए श्रमदान तथा बौद्धिक विमर्श में हिस्सा लिया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में भूतपूर्व प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर इनकमटैक्स श्री आर के पालीवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वोदय कार्यकर्ता श्री लक्ष्मण गोले पधारे। इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए श्री पालीवाल ने कहा कि वर्तमान में हर कोई अंधे विकास की दौड़ में प्रकृति एवं पर्यावरण के विनाश पर उतर आया है। जहां देखो वहां पेड़ों को काटा जा रहा है, नदियों को कारखानों के जहरीले कचरे से दूषित किया जा रहा है तथा रासायनिक खेती की सिंचाई के लिए भूगर्भीय जल का भी अत्यधिक दोहन किया जा रहा है।

शिविर के विशिष्ट अतिथि श्री लक्ष्मण गोले ने युवाओं को हमेशा सत्य और अहिंसा पर डटे रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर विज्ञान विभाग की डीन डॉ पूर्वी भारद्वाज, विज्ञान संचार केंद्र की डॉ प्रीति सिंह और यूथ फॉर सेवा के श्री अतर साहू ने भी संबोधित किया। बौद्धिक विमर्श का संचालन कार्यक्रम अधिकारी श्री गब्बर सिंह ने व आभार डॉ रेखा गुप्ता ने किया। बौद्धिक विमर्श उपरांत शिविरार्थी युवाओं ने बेतवा के उद्गम स्थल झिरी का भी भ्रमण किया तथा उसके संरक्षण के उपायों पर चर्चा की।

One Month Swimming Camp successfully Concluded

30th April: RNTU NCC proudly concluded a successful one-month swimming camp from April 1 to 30, 2025 at Vaishanavi Swimming Academy, specifically designed for non-swimmer NCC cadets.

The camp aimed to equip cadets with essential swimming skills in line with NCC requirements, fostering confidence, discipline, and water safety awareness. Under the guidance of NCC Officer Sub Lieutenant Manoj Singh Manral and instructor Durga Verma, the cadets underwent intensive training sessions throughout April. The program included theoretical lessons on water safety, practical swimming techniques, and confidence-building exercises. A total of 20 cadets successfully passed the swimming test, meeting the NCC standards. Their achievement reflects dedication, hard work, and the effective training provided during the camp.

This initiative has been widely appreciated for promoting physical fitness, safety awareness, and leadership qualities among young cadets. The RNTU remains committed to nurturing future leaders with essential life skills.

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की कॉरपोरेट टीम

स्व. अरविन्द चतुर्वेदी टूर्नामेंट में बनी उपविजेता

19th April: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की कॉरपोरेट टीम 13वें स्व. अरविन्द चतुर्वेदी टूर्नामेंट में उपविजेता बनी। टीम ने लीग मैचों में पूल टाप किया था। टीम के खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टीम के कप्तान वीरेंद्र मीणा की अगुवाई में टीम ने फाइनल मैच तक का सफर तय किया। टीम के विस्फोटक बल्लेबाज स्पोर्ट्स आफिसर सतीश अहिरवार और दिपांशु सिंह सोलंकी के बेहतरीन बल्लेबाजी से टीम फाइनल तक पहुंची। गेंदबाज देवेंद्र पांचाल उदय राहुल शिंदे, सौरभ और सागर की फिरकी में कई बेहतरीन बल्लेबाज आउट हुए। टीम में जितेंद्र बागरे, विभाष मंडल, मनोज सिंह मनराल जुबेर अली, विकास सक्सेना, विजय प्रताप, रीतिक, सोनू शामिल रहे।

विश्वविद्यालय की प्रो चांसलर डॉ अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलपति प्रोफेसर रवि प्रकाश दुबे, प्रो वाइस चांसलर डॉ संजीव गुप्ता और कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी ने टीम को उपविजेता बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दी।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के हॉकी खिलाड़ियों ने 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर मेंस नेशनल चैंपियनशिप 2025 में रजत पदक जीता

16th April: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर मेंस नेशनल चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर विश्वविद्यालय और मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 4 अप्रैल से 15 अप्रैल 2025 तक उत्तर प्रदेश के झांसी शहर में आयोजित की गई थी। इन सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए मैदान पर बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुँचाया और रजत पदक दिलाया।

आरएनटीयू के 10 खिलाड़ियों ने टीम में अपनी जगह बनाई और पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त खेल का प्रदर्शन किया। इन खिलाड़ियों में गोलकीपर वैभव खुशलानी (बीपीईएस), सुंदरम सिंह राजावत (बीपीईएस), लव कुमार (बीए), श्रेयस धुपे (बीकाम), अक्षय दुबे (बीपीईएस), अंकित पाल (बीपीईएस), अली अहमद (बीपीईएस), मोहित कर्मा (बीपीईएस), सद्दाम अहमद (बीपीईएस), मोहम्मद ज़ैद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस उपलब्धि पर कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार इन खिलाड़ियों की अभूतपूर्व उपलब्धि पर गर्व करता है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

इस मौके पर विश्वविद्यालय की, प्रो-चांसलर डॉ. अदिती चतुर्वेदी वत्स, एसजीएसयू के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आरएनटीयू के कुलपति प्रो रवि प्रकाश दुबे, कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी और रायसेन जिले के जिला खेल अधिकारी श्री जलज चतुर्वेदी ने टीम को इस शानदार जीत पर बधाई व शुभकामनाएं दीं।

टैगोर इंटर-स्कूल बास्केटबॉल टूर्नामेंट 2025

24th April: द्वितीय टैगोर बास्केटबॉल इंटर-स्कूल टूर्नामेंट 2025 में भोपाल सहित विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने दमदार प्रदर्शन कर खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया।

गर्ल्स कैटेगरी में सेंट जोसेफ कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी गर्ल्स स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। आर्मी पब्लिक स्कूल उपविजेता रही, जबकि विंध्याचल एकेडमी स्कूल, भोपाल ने तीसरा स्थान हासिल किया।

बॉयज कैटेगरी में आर्मी पब्लिक स्कूल ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। द आइकॉनिक स्कूल ने उपविजेता की ट्रॉफी जीती, जबकि बाल भारती पब्लिक स्कूल, निशातपुरा ने तीसरा स्थान पाया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में 15वीं इंटर स्कूल स्पोर्ट्स कार्निवाल का हुआ भव्य समापन

12th April: आरएनटीयू के फिजिकल एजुकेशन विभाग द्वारा आयोजित 15वीं इंटर स्कूल स्पोर्ट्स कार्निवाल का भव्य समापन हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी और हैंडबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी श्री सनी भंडारकर विशेष रूप से उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के फिजिकल एजुकेशन विभाग के एचओडी डॉ विकास सक्सेना, स्पोर्ट्स ऑफिसर सतीश अहिरवार, डॉ अनिल तिवारी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस मौके पर डॉ. संगीता जौहरी ने कहा कि विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से अनुशासन, नेतृत्व और सहयोग की भावना को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

इंटर स्कूल में खो-खो बॉयज ग्रुप में विजेता सीएल आर्या साइंस हायर सेकेंडरी स्कूल मंडीदीप बनी। रनर अप विवेक जागृति स्कूल मंडीदीप रही। बेस्ट प्लेयर सीएल आर्या स्कूल के इंद्रलोक खरवार रहे। वही खो-खो गर्ल्स ग्रुप में सेंट जोसेफ भोपाल विजेता बना। सीएल आर्या साइंस हायर सेकेंडरी स्कूल मंडीदीप रनर अप रहा। बेस्ट प्लेयर का खिताब सेंट जोसेफ स्कूल की सौम्या नाहर को गया। वॉलीबॉल बॉयज ग्रुप में गवर्नमेंट स्कूल मंडीदीप विजेता बना। सीएल आर्या साइंस हायर सेकेंडरी स्कूल मंडीदीप रनर अप रहा। बेस्ट प्लेयर का खिताब गवर्नमेंट स्कूल मंडीदीप के विवेकानंद गया। वालीबॉल गर्ल्स ग्रुप में सेंट जोसेफ भोपाल विजेता बनी। बाल भारती स्कूल निशातपुरा रनर अप रही। बेस्ट प्लेयर का किताब सेंट जोसेफ स्कूल की नित्या ठाकुर को गया। रस्साकसी के गर्ल्स ग्रुप में वर्ल्ड वे इंटरनेशनल स्कूल विजेता बनी। बोनाफाइड स्कूल रनर अप रही। क्रिकेट बॉयज ग्रुप में सीएल आर्या साइंस हायर सेकेंडरी स्कूल मंडीदीप विजेता बनी। स्कोप पब्लिक स्कूल भोपाल रनर अप रही। मैन ऑफ़ द मैच फाइनल में सीएल आर्या के पर्व जैन को दिया गया। उन्होंने 12 गेंद में 20 रन बनाए। मैन ऑफ़ द सीरीज सीएल आर्या साइंस हायर सेकेंडरी स्कूल मंडीदीप के पर्व जैन को दिया गया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में चार विकेट लिया और 95 रन बनाए। बेस्ट बैट्समैन का खिताब स्कोप पब्लिक स्कूल के अनुज कीर को दिया गया उन्होंने भी 4 विकेट लिए और 93 रन बनाए। बेस्ट बॉलर का किताब हेमा हायर सेकेंडरी स्कूल के पियूष को दिया गया। उन्होंने 3 मैचों में 5 विकेट लिए 34 रन देकर।

Achieving Excellence: Dean of Arts' Remarkable Career and Achievements Applauded

Dr. Ruchi Mishra Tiwari

Dr. Ruchi Mishra Tiwari, Dean of the Faculty of Humanities and Liberal Arts at RNTU, Bhopal, is a distinguished academician and English faculty member with over 17 years of teaching experience. Known for her exceptional dedication to language education, she has significantly contributed to English literature, soft skills training, and research supervision. Her academic journey is marked by innovation, commitment, and a passion for nurturing young minds. Over the years, she has successfully launched seven online and offline certificate courses aimed at enhancing the employability and communication skills of students. In her role as a PhD guide for more than a decade, she has guided thirteen scholars to completion, with eight more currently pursuing their doctoral research under her mentorship.

Dr. Tiwari's administrative responsibilities include serving as the former Head of the Department of English and the School of Languages, as well as Coordinator of Bhasha Shikshan Kendra, a center offering foreign language programs. She is an active reviewer for the Scopus-indexed journal African Identities, published by Taylor and Francis, and is also an annual member of the English Language Teachers' Association of India (ELTAI). She leads the departmental research committee and has evaluated theses from multiple Indian universities. Under her guidance, the Humanities department has grown into a hub for research and innovation, recognized with the Best Department Award by AGU in 2024. She herself was honoured with the Best Teacher Award by RNTU in 2022 and the Kasturi Devi Mishra Swayam Siddha Samman by Hindi Lekhika Sangh in 2024.

Her teaching expertise extends to English Literature, Communication Skills, Research Methodology, and Personality Development. She owns a YouTube channel titled Mahesh English Times, which hosts over 100 educational videos on literature and research, and has attracted more than 2,000 subscribers. Her lectures are also featured on AISECT's MOOC platform and RNTU's YouTube Channel. In addition to her teaching and research, she is the editor of two academic volumes - Sangeet Manthan and Bhartiya Jnan Parampara (2024) and Innovation in Languages, Literature and Linguistics in Relation to NEP (2022). She has presented research papers at several national and international conferences and published extensively in UGC CARE-listed and peer-reviewed journals on themes such as postcolonial literature, eco-feminism, mythology, soft skills, employability, and cultural identity.

A dynamic academic organizer, Dr. Tiwari conducts national and international conferences annually, along with the Shakespeare Literature Festival and Bhasha Utsav- initiatives that bring together school and college students to celebrate language, literature, and Indian cultural heritage. She has applied for an international project on endangered languages under the ELDP (Endangered Languages Documentation Programme, UK), further reflecting her commitment to language preservation and global engagement. She has chaired sessions in numerous academic conferences and been an invited speaker at workshops on research methodology and academic writing.

Throughout her career, she has remained committed to her own professional development, organizing and participating in several Faculty Development Programmes, including those held at MANIT Bhopal and AISECT University. She has also attended a refresher course on learner-oriented teaching methods. Her career includes prominent roles at institutions such as Tulsiramji Gaikwad Patil College of Engineering in Nagpur, Jiwaji University in Gwalior, MANIT in Bhopal, and NIT Raipur, where she taught English communication, designed curricula, and trained students in public speaking and interview skills.

Dr. Tiwari earned her PhD in English Literature from Ravishankar Shukla University in 2012. She holds a Master's in English Literature from Govt. Girls PG College, Raipur, where she was a gold medalist, and a Bachelor's degree in Science from Guru Ghasidas University. She also stood second in her university during her postgraduate studies. Her academic achievements are complemented by her recognition as a Gold Medalist in an NPTEL-MOOC course on Soft Skills and Personality Development conducted by IIT.

Beyond academics, Dr. Tiwari is actively involved with Soka Gakkai, a lay Buddhist organization, where she delivers motivational talks, performs in skits, and promotes value-based education. Her holistic and inclusive approach to teaching, combined with scholarly excellence and institutional leadership, makes her an inspirational figure in the field of humanities and language education. Her unwavering commitment continues to shape academic culture, mentor future researchers, and elevate the standards of English language and literary studies in India.

Students from Rabindranath Tagore University Achieve Placements in Large & Mid Cap Companies

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY
MADHYA PRADESH, BHOPAL
Village Mendua, Post-Bhojpur, Chiklod Road,
Near Bangrasia, Bhopal- 464993 (M.P.)
Ph.: 0755-2700400 | Email: info@rntu.ac.in

Patron
Shri Santosh Choubey, Chancellor
Dr. Aditi Chaturvedi Vats, Pro-Chancellor
Dr. R.P. Dubey, Vice-Chancellor
Dr. Nitin Vats, Director AIC RNTU
Dr. Sangeeta Jauhari, Registrar

Editorial Team
Editors : Dr. Shailendra Singh, Mr. Vijay Pratap Singh
Copywriters : Mr. Sameer Choudhary, Ms. Shreya Sharma
Design : Mr. Kamlesh Thakur
Photography : Mr. Upendra Patne